an>

Title: Regarding safeguarding the interest of Madhesis living in Napal.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : मैडम, नेपाल और भारत के बीच सांस्कृतिक और सामाजिक रिश्ते रहे हैं और बहुत ही प्रगाढ़ रिश्ते रहे हैं। आजादी के पहले से लेकर आज तक देखा गया है कि जब भी जो भी सरकार आई नेपाल और भारत के बीच अच्छे रिश्ते रहे हैं। हमारे प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी आए, उन्होंने इन संबंधों को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने का प्रयास किया। इस बीच नेपाल के भीतर जो भारत मूल के लोगों का मधेशी इलाका है, जिसके बारे में आप भी जानती हैं। वहां के संविधान परिवर्तन पर मधेशियों द्वारा आशंका जाहिर की गई कि उस संविधान में मधेशियों का हित उनका संरक्षण, उनका सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक हित नहीं हैं। मधेशियों ने इसके चलते वहां लगातार अपना राजनीतिक और सामाजिक विरोध जाहिर किया। उस विरोध के कारण 100 से ज्यादा मधेशी वहां गोली से मारे जा चुके हैं और मासूम, औरतें, महिलाएं और बच्चे भी मारे जा चुके हैं। वहां अभी भी दमन की प्रक्रिया जारी है और माओवादी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कहीं न कहीं मधेशियों के राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन में नेपाल सरकार के माध्यम से प्रवेश करते हैं।

मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि नेपाल को इस बात का पता है कि उनका एक मातृ बाजार भारत है, उनके चीन के साथ अच्छे रिश्ते हैं। मैं इस सदन के माध्यम से नेपाल को भी कहना चाहता हूं और इसके साथ ही साथ सदन को भी इस बात को गंभीरता से लेना चाहिए कि क्या चीन के द्वारा लगातार बीच में हस्तक्षेप करना इस बात की ओर संकेत नहीं करता है कि उनकी दृÂिट भारत की ओर है। इसलिए मैं आपके माध्यम से इस शंका को सरकार के समक्ष प्रकट करना चाहता हूं कि हमें लगता है कि चीन कहीं न कहीं भारत की ओर गिद्ध दृÂिट से देख रहा है और नेपाल में मधेशियों पर जो लगातार अत्याचार और जुल्म हो रहे हैं, उसमें कहीं न कहीं चीन और माओवादियों का हाथ है। इसीलिए हम आदरणीय प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी से आग्रह करेंगे कि यदि भारत को सही मायनों में विश्व गुरु बनना है और भारत विश्व गुरू बनेगा भी तो हमें अपने पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध बनाने के लिए प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी की जो कूटनीति है, उसे कैसे आगे बढ़ाया जाए, इसके लिए मधेशियों का संरक्षण किया जाना चाहिए और मधेशियों पर जो जुल्म हो रहे हैं, उन्हें रोका जाना चाहिए। मैं समझता हूं कि इसके लिए हमारी सरकार को नेपाल के साथ वार्ता करनी चाहिए, ताकि मधेशियों पर जुल्म न हों और जिस संविधान में मधेशियों के संरक्षण की वकालत नहीं की गई है, उनके राजनीतिक और सामाजिक संरक्षण की वकालत की जाए और वहां पर गोली-बारूद न चले, इसके लिए मैं आपके माध्यम से प्रधान मंत्री जी से आग्रह करूंगा कि वार्ता करके इन अवरोधों को रोका जाना चाहिए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : कुंवर पुÂपेन्द्र सिंह चन्देल को श्री राजेश रंजन द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।